Regarding problem of water supply in Rajasthan

श्री अमरा राम (सीकर) : माननीय सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार और जल शक्ति मंत्री जी का ध्यान एक बात की ओर दिलाना चाहूंगा कि राजस्थान के चार जिले - सीकर नीमकाथाना, झुंझुनूं और चुरू हैं, इन चारों जिलों के लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं । राजस्थान के लिए यमुना वॉटर का जो हिस्सा है, आज आठ दशक पूरे हो चुके हैं, लेकिन आज तक उसका हिस्सा नहीं मिला है । वहां के लोग बूंद-बूंद पीने के पानी के लिए तरसते हैं । लोगों को क्लोराइड युक्त पानी खरीदकर पीना पड़ता है । एक तरफ तो सरकार ने यह घोषणा की हुई है कि ?जल जीवन मिशन? के तहत हर घर तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाने का काम किया जाएगा । वहीं युमना नदी का पानी बाढ़ के रूप में लोगों के घरों को तबाह कर रहा है और दूसरी तरफ लोग प्यासे मर रहे हैं ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से एक निवेदन करना चाहता हूं । अभी 17 फरवरी, 2024 को इसका एग्रीमेंट भी हुआ है और इसको पांच महीने में स्वीकृति मिल जानी चाहिए थी, लेकिन मैं समझता हूं कि आज तक उस पर कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है ।

अतः मेरा आपके माध्यम से यह निवेदन है कि राजस्थान के हिस्से का यमुना का जो 1,750 क्यूसेक पानी है, वह आज आठ दशकों के बाद भी राजस्थान को नहीं मिल पा रहा है । इन चारों जिलों के लोग बोतल का पानी पीते हैं और वे क्लोराइड युक्त पानी खरीदकर पीते हैं । मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा शर्मनाक बात और कुछ नहीं हो सकती है । मंत्री महोदय अतिशीघ्र इसकी स्वीकृति दिलाने का काम करें, ताकि प्यासे लोगों को पीने का पानी मिल सके ।